74

लेकर जाते हैं मजदूर कि इस घादमी ने हमको मारा है, रिपोर्ट लिखो, वह लिखी नहीं जाती।

इसलिए मैं चाहंगा कि इन सब चीजों के बारे में सरकार सफाई से अपनी बात रखे ग्रीर यह जो सारे चार्जेज, लीडजं ग्रीर ग्रफसरों को भोजे गये हैं, उसकी तरंत आंच की आए और मोदी नगर में जो हड़ताल ग्रमन से चल रही है यह ट्टे, भ्रमन से बातचीत हो, इसके किए सरकार को कुछ_्तस्वाल कदम उठाने REFERENCE TO THE REPORTED SEIZURE OF A CLANDESTINE RADIO STATION NEAR ANANTNAG IN KASHMIR.

शिव चन्द्र झा(बिहार) : मैं **ब्रापका श्रीर सदन का ध्यान एक ग्रहम** क्षिषय की भ्रोर खींचना चाहता हूं ग्रौर वह यह है कि देश में प्रभी भी छिपे रुस्तम रेडियो स्टेशन चला रहे हैं। यहाँ से प्रसारण हो रहा है हमारे देश के खिलाफ, बहुत तरह का हमारी सुरक्षा के खिलाफ, यह गतिविधियाँ चल रही हैं । लेकिन सरकार क्या कर रही है, इसका कुछ पता नहीं चल रहा है ।

प्रभी प्राप्त के प्रखबारों में खबर द्याई है जिसको मैं पढ़ चाहता हूं कि:--भिले ही और मायने में वह खराब हो--वह प्रखबार दिल्ली का स्टेट्समैन है । लेंकिन यह जो समाचार है, वह श्रापको पढ़ कर सुनाना चाहता हूं ।

A Clandestine Radio Station was seized by Kashmir police in Dyalgam village, 5 km. from Anantnag town in Southern Kashmir yesterday.

According to reports published prominently in almost all dailies today quoting police sources, a youngman named Imtiaz Ahmed, who was reported to have set up this clandestine radio station, has been detained and the equipment has been seized from his home.

According to these reports, the radio station broadcast advertisements from 10.00 a.m. soon after the morning transmissions of the Sri-nagar Station of All India Radio and Radio Kashmir ended. In evening also it made broadcasts from 5 p.m. to 6 p.m.

This had been going on for three weeks Police,, according to these reports, traced the location of the station last evening."

उपसभाष्यक्ष महोदय, कई सप्ताह से यह ट्रांसिमशन बाडकास्ट हो रहा था। तो संभव है कि देश के ग्रीर अगहों में भी यह खुराफात चल रही हो श्रौर ट्रांसिमशन से ब्राइकास्ट हो रहा हो छ्ये-रुस्तम तौर से, जो कि हमारी सुरक्षा तैयारियों के ख़िलाफ हो, हमारी ग्राजादी के लिए खतरा हो। इसीलिए मैं मंत्री

76

[श्रीकािय चन्द्र झा]

Re. collaboration by

Govt

महोदय से चाहुंगा, वे बताएं ऐसी गति-विधियां रोकने के लिए, खासकर काश्मीर क्षेत्र में पह जो हुन्ना है---वह कैसा ब्राडकास्ट कर रहे थे, क्या वह पाकिस्तान का था या कहीं दूसरी जगह का था--क्या कदम उठा रहे हैं? मंत्री जी इन सब के बारे में यहाँ वक्तच्य दें और यह भी बताएं कि उनके सामने कौन से क्षार्यक्रम हैं कि इस तरह का छुपे-रुस्तम ब्राडकास्ट देश में न होने पाए ।

श्चाखिरी बात उपसभाध्यक्ष महोदय । उनको बहुत समय दिया श्रापने । मैं दो ही शब्द कहना चाहता हूं । मधुबनी में विद्याधियों के ऊपर ... (Interruptions)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI R. R. MORARKA); No please.

श्री शिव चन्द्र झा पुलिस ने गोली चलायी, एक मारागया (Interruptions) एक घ(यल हुम्रा...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRi R. R. MORARKA); Order please.

भी शिव चन्द्र शाः इसकी उच्च-स्तरीय आँच अराएं।

REFERENCE TO THE REPORTED COLLABORATION BY THE GOV-**ERNMENT WITH A MULTINA-**TIONAL FIRM FOR THE MANU-FACTURE OF GILLETTE **BLADES**

डा॰ भाई महाबोर (मध्य प्रदेश) : श्रीमन्, श्रभी जितने विशेष उल्लेख जिस ठंग के हुए हैं भैं उन से कुछ ग्रलग प्रकार का उल्लेख करने के लिए खड़ा हुन्राहं। परसों के प्रख्वारों में महोदय, एक समाचार छपा है कि भारत सरकार ब्लेड

इंडस्ट्री में एक फारेन कोलेबोरेशन की इजाजत देने का विचार कर रही है ग्रौर यहाँ तक कहा गया है कि जो प्रोजेक्ट श्रप्रदल बोर्ड है यह सोमवार की श्रपनी बैठक में शायद इसकी इजाजत दे देगा।

महोदय, यह जिलेट कंपनी के साथ 30 परसेन्ट का डिक्क्टी पार्टिसिपेशन खेंकर भारत में ब्लेड बनाने का एक कारखाना खड़ा करने की कोशिश हो रही है जिसकी कुल छः करोड़ ६० कीमत लगेगी, यह खबर हैं। महोदय, समाचार की रिपोर्ट है कि जितनी जल्दी शार्ट कट करके हो सके, यह करने की कोशिश हो रही है जब कि यह रूल्स के ग्रीर श्रब तक के निर्धारित पालिसी के विरुद्ध है। इस तरह का इक्विटी पार्टिसिपेशन किसी बड़ी मल्टी-नेशनल कम्पनी के साथ करना. ऐते क्षेत्र में जिसमें हमारी अपनी योग्यता स्थापित हो चुकी है, यह सरकारी नीति के विरुद्ध है। महोदय, यह फाइनें शियल एक्सप्रेस की मेन हेडलाइन है, 7 तारीख की, और पेंद्रियट की भी खबर है 7 तारीख़ की। पहले इसी तरह का प्रयोजल स्राया था 1978 में ग्रीर प्रोजेक्ट ग्रप्र्यल बोर्ड ने उसको 3 कारणों से रद्द किया था। पहला कारण यह था कि---

-foreign equity is not permissible in this line of manufacture.

दूसरा यह कि--

—the scheme aimed at manufacturing only the conventional types of blades where sufficient indigenous capacity has already been established.

ग्रौर तीसरा---

—foreign exchange balance-sheet is adverse.